(c) the specific reasons why the profits of the British Indian Corporation which were Rs. 1,17,66,191 in 1961 have gone down to Rs. 11,13,382 in 1966?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) The information is not available with the Government.

(b) and (c). Attention is invited to the answer given to parts (a) to (d) of Unstarred Question No. 3677-N, laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-2165/67].

पश्चिम रेलवे के स्टेशन मास्टर, असिस्टेंट स्टेशन मास्टर और टिकट कलक्टर

5420. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम रेलवे में कितने स्टेशन मास्टर, असिस्टेंट स्टेशन मास्टर और टिकट कलक्टर काम कर रहे हैं और उनमें से कितने लोग अस्थायी हैं और कितने स्थायी हैं;

(ख) इन पदों पर कार्य करने वाले व्यक्तियों को कितने समय बाद स्थायी बना दिया जाता है और पिछले दो वर्षों में कितने कर्मचारियों को स्थायी बनाया गया है; और

(ग) जून, 1967 से नवम्बर, 1967 तक पश्चिम रेलवे में इन पदों पर कितने व्यक्तियों की भर्ती की गई है और उनमें कितने व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क)

	स्थायी	अस्थायी	जोड़
स्टेशन मास्टर	942	29	971
सहायक स्टेशन मास्टर	2510	586	3096
टिकट-कलक्टर	689	421	1110

(ख) सूचना मंगायी जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

(ग) स्टेशन मास्टर · कोई नहीं।
सहायक स्टेशन मास्टर · कोई नहीं।
टिकट कलक्टर · 8

उनमें कोई भूतपूर्व सैनिक नहीं था।

बर्तनों का निर्यात

5521. **श्री मोलहू प्रसाद :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत से मुरादाबादी बर्तनों का निर्यात इस क्षेत्र में पाकिस्तानी प्रतियोगिता के कारण घट गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने मुरादाबाद में इस उद्योग में लगे मुसलमान विशेषज्ञों को पाकिस्तान भेज दिया है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) बर्तनों (अधिकांशतः मुरादाबाद में निर्मित तथा निर्यातित तांबे तथा पीतल के बर्तनों एवं ई० पी० एन० एस० की वस्तुओं) के निर्यात में गिरावट नहीं आई है जैसा कि नीचे लिखे आंकड़ों से प्रकट है। हां, पीतल एवं तांबे के बर्तनों के निर्यात में 1965–66 की अपेक्षा 1966–67 में कुछ गिरावट आई है।

(मूल्य लाख रुपयों में)

वस्तु	1965-66	1966-67	अप्रैल-सितम्बर 1967
पीतल के बर्तन	11.38	9.85	4.32
तांबे के बर्तन	2.75	0.62	0.36
ई० पी० एन० एस० की वस्तुएं	16.99	28.17	10.20
योग	31.12	38.64	14.88

यह सत्य है कि मध्य-पूर्व के देशों में भारत से निर्यातित बर्तनों को पाकिस्तान से कुछ प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

(ख) राज्य सरकार से मामले में छानबीन करने के लिये निवेदन किया जा रहा है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।